पी . के . विश्वविद्यालय शिवपुरी (म०प्र०)

भाग अ – परिचय		
कार्यक्रमः प्रमाण पत्र	कक्षाः बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	सत्र् – 2023–24

विषय : – संस्कृत साहित्य

1	पाठयक्रम का कोड	**UARSHSA111**
2	पाठयक्रम का शीर्षक	**आर्षकाव्य एंव लौकिक काव्य**
3	पाठ्यक्रम का प्रकारः	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिये छात्र ने विषय अध्ययन कक्षा 12 वीं/प्रमाण पत्र / डिप्लोमा में किया हो। इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है : सभी के लिये उपलब्ध (Open for all).
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉ (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक। 2. रामायण की सार्वकालिक व सार्वजनिक उपादेयता के साथ राष्ट्र निर्माण में सहायक। 3. भारतीय संस्कृति के अवबोध एंव महापुरूषों के आदर्श से छात्रों को परिचित कराना । 4. प्राचीन सामाजिक संरचना एवं उत्कृष्ट समाज का ज्ञान। 5. रंग मंचीय कौशल के विकास व लेखन की कला की दृष्टि से उपादेय। 6. छात्र में कथा लेखन की शैली का विकास। 7. उपदेशात्मक काव्य से नैतिक मूल्यों का विकास।
6	क्रेडिट मान	06
7	कुल अंक	अधिकतम अंकः 60 उर्तीणाकः 24

भाग ब पाठयक्रम की विषयवस्तु

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1.	**वाल्मीकि रामायण–** बालकाण्ड प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण) पठितांश से व्याख्या तथा वाल्मीकि रामायण के सामान्य परिच पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न ।	15
2	**महाभारत –** शान्ति पर्व अध्याय – 192 पठितांश से व्याख्या तथा महाभारत के सामान्य परिचय संबंधी समीक्षात्मक प्रश्न	15
3.	**रघुवंशम् –** प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण) पठितांश से व्याख्या तथा रघुवंश महाकाव्य के सामान्य परिचय से संबंधित समाचोचनात्मक प्रश्न ।	15
4.	**स्वप्नवासवदत्तम्–** प्रथम से तृतीय अंक – पठितांश से व्याख्या तथा सम्पूर्ण नाटक पर	15

P.K. University

	आधारित समीक्षात्मक प्रश्न ।	
5.	**हितोपदेश–** (अ) मित्रलाभ– पठितांश पर आधारित उपदेशात्मक प्रश्न । – (ब) नीतिशतकम्– 1 से 50 पद अनुवाद/प्रश्न	15
सार बिन्दु की वर्ड टैगः आर्षकाव्य, महाकाव्य, रूपक, जीवन मूल्य		
	पाठय पुस्तकें संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन **म0प्र0 हिन्दी ग्रन्थ अकादमी भोपाल**	
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठय संसाधन/पाठ्य सामग्री :	
1	महाभारत शान्तिपर्व सम्पादक गीता प्रस गोरखपुर उत्तर प्रदेश	
2	चतुर्वेदी वासुदेव कृष्णमणि – रघुवंशम् प्रथम सर्ग चौखंभा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी 2012	
3	उपाध्याय आचार्य बलदेव संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास वि0वि0 प्रकाशन वाराणसी 2001	
4	मुसलगांवकर राजेश्वर शास्त्री– नीतिशतकम् चैखम्भा संस्कृत भवन वाणसी 2014	
5	मिश्र आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – संस्कृत साहित्य का इतिास चौखंभा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।	
अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म बेब लिंक ई–सोर्सेस, पाठशाला संस्कृत ई पुस्तकालय केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर ।		

P.K. University

Sharma